15-55 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Atrocities on weaker sections in Gujarat

श्री होरालाल आर० परमार (पाटन) : सभापति महोदय, मैं सुबह की घटना में थोड़ा सा नाराज हुआ था, लेकिन मेरी ऐसी कोई तमन्ना नहीं थी । गुजरात के हरिजनों का जो कत्लेआम हो रहा है, मैं उस के बारे में अपने दुखदर्द को व्यक्त करना चाहता था । इस का मौका लेने के लिये मैंने बार-बार बात की, लेकिन मुझे वह मौका नहीं मिला, इस लिये सदन में मैंने जो कुछ किया, वह बुरा नहीं किया, फिर भी अगर वह गल्ती मानी जाती है तो मैं क्षमा चाहता हूं । सदन का अपमान करने की मेरी कोई इच्छा नहीं थी और आप का अपमान करने की भी मेरी कोई इच्छा नहीं थी । मैं आशा करता हूं—मेरे गम्भीर सवाल पर सदन अच्छी तरह से समझ कर हम लोगों को बचाने के लिये आगे आयेगा ।

अब मैं नियम 377 के अधीन इस को पेश करता हूं—

दिनांक 25-1-81 से गुजरात के डाक्टरों ने पोस्ट ग्रेजुएशन में से 8 हरिजनों की आरक्षित जगहों का विरोध किया और आन्दोलन का सहारा लिया । इस आन्दोलन को समर्थन देने में एक गुजराती समाचार पत्र में झूठा और जहरीला भड़काने वाला दिन-प्रति-दिन समाचार प्रदर्शित किया जिन की वजह से गुजरात के हरिजन विरोधियों ने हरिजनों के आवासों में जा कर के निष्ठुरता से, दिल को कंप-कंपा दे ऐसा अवरणीय अत्याचार किया । निर्दोष युवक-युवतियों और औरतों के साथ पाशवी बर्ताव किया जा रहा है । हरिजनों के घर आग से जलाये जा रहे हैं । युवकों के हाथ पांव काटे जा रहे हैं । पुलिस उन की रक्षा नहीं करती । घरों में जा कर औरतों की बेइज्जती करती है और बच्चों के साथ राक्षसी मारपीट की जा रही है ।

यह सारा बहकाव दैनिक गुजरात समाचार के गलत और वर्ग विग्रह पैदा करने वाले समाचारों की बजह से हो रहा है जिन का थोड़ा सा दार्शनिक प्रमाण मैं यहां पेश कर रहा हूं । यह दैनिक हिन्दुओं को भड़का कर के सवर्णों द्वारा हरिजनों के ऊपर अत्याचार करने में सहारा दे रहा है और बिन-पायदार जातिवाद को भड़काने वाली झूठी खबरों को प्रदर्शित कर रहा है और गलत घटनाओं को बड़े हैडिंग में प्रदर्शित कर रहा है । इस दैनिक की बजह से हरिजनों और सवर्णों के बीच एक बड़ी दीवार पैदा करके, षड़यन्त्र रचा के, हजारों गरीबों को बेघर बनाने में, हरिजनों की खुले आम कत्ल कराने में और देश को सर्वनाश के तांडव की ओर ले जा रहा है और देश की लोकतांत्रिक प्रणाली का खुले आम खतरनाक ढंग से मलियामेट किया जा रहा है ।

जब हमारे सामने हरिजनों पर अमानवीय अत्याचार किये जा रहे हैं और हम सब एक दर्शक बन के बैठे हैं, यह क्या हमारी लोकशाही को जंचता है ? क्या इस देश में हरिजनों को कोई बचायगा ?

अन्त में आप से मेरी यह प्रार्थना है कि गुजरात के आन्दोलन के लिये अगर कोई जिम्मेदार है तो प्रमुख जिम्मेदार दैनिक पत्र 'गुजरात समाचार' के मैनेजिंग तंत्री और तंत्री ही हैं, इस लिये मेरा आप से गम्भीर निवेदन है कि :—

1. दिनांक 25-1-81 से 15-2-81 तक की गुजरात समाचार दैनिक में छपी घटनाओं और खबरों की संसद द्वारा पंच मे जांच की जाये और उस

की रिपोर्ट 15 दिन में संसद में पेश की जाय,

2. पंच द्वारा जांच शुरू हो उस दिन से इस दैनिक के मैनेजिंग तंत्री और तंत्री को गुजरात से, जांच चले तब तक, हद पार किया जाय ।

3. जांच द्वारा दोषी पाये जाने पर इस समाचार पत्र की मान्यता रद्द की जाय और इन तंत्रियों को देशद्रोही और हत्यारों को दी जाने वाली आखरी सजा दी जाय।

आशा करता हूं कि हमारी सर्वोच्च संसद इस देश के हरिजनों की ओर देश को इस बढ़ते हुए जतिवाद के जहर से बचायेंगे ।

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर) यह बहुत गम्भीर घटना है ....

(व्यवधान)

श्री हीरालाल आर० परमार : मैं यह कहना चाहता हूं—गुजरात में हरिजन कड़गी की स्थिति में हैं, वे पैसेवाले नहीं हैं, उन के पास फोटो की सुविधा नहीं है, फिर भी जो फोटो लिये हैं—एक ही गांव के हैं जिस में 15 आदमियों का कत्ल हुआ हैं, छुरी से मारा गया है, गोली से.... किया गया है

MR. CHAIRMAN: I may have to order that this will not go on record.

श्री हीरालाल आर० परमार : ....हमारी बहन-बेटियों की इज्जत ली गई है....

श्री मनीराम बागड़ी : सदन की टेबिल पर रखा जाय, इधर ला कर रख दो.....

सभापति महोदय : This will be examined दे दीजिये न ।

श्री हीरालाल आर० परमार : हरिजनों के नाम पर झूठे सिगनेचर बनाकर..... हरिजनों का कत्ल कर रहे हैं....., मेरा यह कहना है कि इस की जांच की जाए । यह आन्दोलन एक महीने से चालू है और दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है और हरिजनों का कत्ल हो रहा है।.... (व्यवधान)... गुजरात में सरकार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर और गांधी जी की मूर्ति पर खून के छींटे से प्रतिज्ञा ली है ....

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : गुजरात में इस तरह की बात होगी तो क्या होगा। स्टेट होम मिनिस्टर श्री मकवाना गुजरात के है । उन के सामने इस तरह की बात हो, यह ठीक नहीं है ।

श्री मनी राम बागड़ी : मकवाना साहब शेड्यूलड कास्ट्स से संबंध रखते हैं और वे इन जुल्मों को कैसे बर्दाश्त कर रहें हैं। (व्यवधान) .....

सभापति महोदय : आप मेरी बता सुन लें। (व्यवधान).....

I would like to read out the Hon. Speaker's observations:—"The statement made by Shri Hira Lal Parmar has caused me great concern. I have no doubt that the Home Minister would look into the matter urgently and take necessary action. Goodwill and amity should be restored between the various communities and there should be no occasion for any such complaint of atrocities against the weaker sections of society in a State which had the distinction of giving us Bapuji.

श्री मनीराम बागड़ी : सभापति जी, सदन की भावना को देखते हुए होम मिनिस्टर साहब इस का जवाब दें.... (व्यवधान).....

श्री राम विलास पासवान : यह तीन सप्ताह से चल रहा है और दूसरी जगहों पर भी यह बीमारी फैल रही है।..... (व्यवधान).....

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : सरकार की मशीनरी उस में शामिल है।

श्री हीरालाल आर० परमार : इसकी जांच की जानी चाहिये । ... (व्यवधान) . . .

श्री राम विलास पासवान : वहां की सरकार की आंखों के सामने यह हो रहा है। यह मामला बहुत दिनों से चल रहा है। दिल्ली की बोट क्लब पर भी हरिजनों का आन्दोलन हुआ था ....

एक माननीय सदस्य : आर० एस० एस० पर बैन लगाना चाहिए (**व्यवधान**)

श्री जगपाल सिंह : मुझे एक बात कहने दीजिए । ..... (**व्यवधान**).... मेरी मांग यह है कि जो भी अफसर इस आन्दोलन में शामिल हों, सरकारी अफसर, सरकारी कर्मचारी इस आन्दोलन में शामिल हैं उनको सस्पेंड करना चाहिए (**व्यवधान**)

श्री हीरालाल आर० परमार : आर० एस०एस० जनसंघ पुलिस और अखबार वालों की जांच करनी चाहिए यह अखबारों में आता है । इस तरह से हमारे आदमियों का कत्ल होता है । (**व्यवधान**)

SHRI GEORGE FERNANDES (Muzaffarpur): We demand dismissal of the Gujarat Government.

सभापति महोदय : देखिये हम कार्यवाही से कटवाने के लिए मजबूर ही जायेंगे । हम कटवा देंगे । (**व्यवधान**)

श्री जगपाल सिंह : चार सप्ताह से हम लोगों का कत्ल किया जा रहा है । (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: I have asked the Minister to make a statement. After he has done that, you can say whatever you want to say.

SHRI GEORGE FERNANDES: We want dismissal of the Gujarat Government. It is worse than the Narainpur incident. You went there and cried over the Narainpur incident. Now, dismiss the Gujarat Government (*Interruptions*)

SHRI MOOL CHAND DAGA (Pali): Sir, on a point of order. Can any Member stand up and speak without the permission of the chair? Only those Members can speak, whose names are called by the Chairman... (*Interruptions*). This is not the way.

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South): Shri Makwana must make a statement and tell the House about the whole situation..(*Interruptions*).

श्री राम विलास पासवान : सभापति जी, मैंने पहले भी कहा था कि इस पर पूरा डिस्कशन कराइये । यह कांस्टीच्युशन के विरुद्ध है । जब पूरे देश में शेड्युल्ड कास्ट्स और शेड्यूल्ड ट्राइब्स के लोगों के विरुद्ध इस तरह से अभियान चलाया जाएगा और उन्हें कत्ल किया जायेगा तो क्या आप बठे रहेंगे ?

श्री जगपाल सिंह : ये कत्ल में शामिल हैं । (**व्यवधान**)

श्री राम विलास पासवान : यह सारा मामला आपके राजपाट में हो रहा है ।

श्री जगपाल सिंह : 29–30 दिसम्बर की रात्रि को मेरे जिले में एक झोंपड़ी में तेल छिड़क कर आग लगा दी गई और उसमें एक परिवार के 6 लोग जल कर मर गये । अगर कोई कुत्ते का बच्चा भी उस झोंपड़ी में होता तो वह भी आग लगने पर वहां से भाग जाता, लेकिन उस परिवार के सभी 6 लोग उस में जल कर मर गये । पुलिस कहती है कि झोंपड़ी में आग दिये से लगी । (**व्यवधान**)

श्री राम विलास पासवान : हाउस में अभी होम मिनिस्टर बैठे हैं । इन को पूरी जानकारी है कि क्या सच है । इन से कहिए ये यहां कहें । (**व्यवधान**)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): Sir, I assure the hon. Members that I would call for a report from the State Government. But it is most unfortunate that in Gujarat, this is supported by almost all the parties except the Congress (I) one member of the Janata Party.... (*Interruptions*). They have opposed this agitation.... (*Interruptions*).

SHRI SAMAR MUKHERJEE (Howrah): This is not a fact.... (*Interruptions*).

SHRI YOGENDRA MAKWANA: The Marxist Communist Party (*Interruptions*).... I want you to hear me. Why don't you hear? Sir, what is this? They wanted me to speak; but they don't want to hear me. The Marxist Communist Party, one MLA of the Janata Party, all the Harijan Cells of different parties and Congress (I) condemned this agitation against reservation, but nobody from any Opposition party.... (*Interruptions*).

SHRI R. K. MHALGI (Thane): B.J.P. has condemned it.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: No.

SHRI R. K. MHALGI: You don't know. What statement are you making!

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): No.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: BJP is supporting the agitation. (*Interruptions*) Mr. Nathela Bagara of the BJP was the main man who incited the students. (*Interruptions*) I have evidence with me that the BJP initially were very active in supporting the medical students, acting behind the scene. Only Congress (I) and one Janata Party MLA....

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North-East): One is enough. I have also openly come out. In our national conference, we condemned the violence and supported the reservation.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Even C.P.I. has supported this agitation and it is most unfortunate. Last time while speaking on the report.... (*Interruptions*) We seek the support of the Opposition in this matter. It is most unfortunate that nobody else has actively come forward to support us on the issue. Hon. Members have pointed out something about the reports appearing in newspapers. I will definitely get it enquired into.

(*Interruptions*)

श्री राम विलास पासवान : आपकी सरकार क्या कर रही है, गुजरात सरकार क्या कर रही है ?

श्री मनी राम बागड़ी : इस देश की सर्वोत्तम सभा की भावनाओं के बाद और सारे हाउस के सभी पार्टियों के सभी सदस्यों की भावनाओं के बाद भी आप अमन-चैन व्यवस्था कायम नहीं करते हैं तो फिर आप मुजरिम हैं । सारे सदन की भावना है कि हरिजनों पर अत्याचार करने वालों पर आप एक्शन लीजिए, उनसे सख्ती से निपटिए ।

श्री जगपाल सिंह : हरिजन नौजवानों को गिरफ्तार किया गया है; उन्हें छोड़ा जाए । सवर्णों को जेल नहीं भेजा गया है । (**व्यवधान**)

SHRI MOOL CHAND DAGA: On a point of order, under rule 350.

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : हम रूल नहीं चाहते । हरिजनों पर अत्याचार बंद करो ।

श्री राम विलास पासवान : जो पुलिस सम्मिलित है उसके खिलाफ आप क्या कर रहे हैं । एडमिनिस्ट्रेशन के जो लोग सम्मिलित हैं उनके खिलाफ आप क्या कर रहे हैं ? (**व्यवधान**)

SHRI MOOL CHAND DAGA: Rule 350 says:

"When a member rises to speak, his name shall be called by the Speaker...."

(*Interruptions*) I am on a point of order. I have made a point of order. (*Interruptions*)

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I welcome the gesture made by Shri Mani Ram Bagri. I request all the hon. members from Opposition to condemn this agitation. (*Interruptions*)

श्री मनी राम बागड़ी : मकवाना साहब को आप सुन लें । उनको चाहिए कि वह दिलेरी के साथ हिन्दुस्तान की जनता को आश्वासन दें ।

श्री जगपाल सिंह : आपको सख्ती के साथ इस एजीटेशन से निपटना चाहिए । हम पूरी तरह से आपके साथ हैं । एंटी रिजर्वेशन मूवमेंट को दबाने में हम आपके साथ हैं ।

इस मामले में हमारी पार्टी आपका विरोध नहीं करती है । आप सख्त कार्रवाई करें, हम आप के साथ हैं ।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: It is good that you are supporting it here. But may I request you to tell their counterparts in Gujarat to support it and come out in condemning this agitation. If all the parties come out condemning this agitation, I am quite hopeful that this agitation will subside. But it is most unfortunate that nobody has come out with a statement condemning this agitation from Gujarat (*Interruptions*) I am not talking about the national leaders. I am talking about the Gujarat leaders of various parties.

श्री राम विलास पासवान : कांग्रेस आई के आधे से अधिक मेम्बर आरक्षण विरोधी दंगों में लगे हुए हैं ।

श्री जगपाल सिंह : इन्हीं की पार्टी का एक सैक्शन है जो मौजूदा सरकार के खिलाफ इस आन्दोलन को चला रहा है । यह इनकी पार्टी में साजिश हो रही है ।

श्री राम विलास पासवान : आप इनक्वायरी कराएं । गुजरात के चीफ़ मिनिस्टर आरक्षण विरोधी तत्वों के साथ मिले हुए हैं । एडमिनिस्ट्रेशन इनका साथ दे रही है । इसके पीछे चीफ मिनिस्टर का हाथ है । आरक्षण विरोधी आन्दोलन में चीफ मिनिस्टर का हाथ है ।

श्री जयपाल सिंह कश्यप : गुजरात के चीफ मिनिस्टर को बरखास्त किया जाए । (**व्यवधान**)

SHRI MAGANBHAI BAROT: He cannot go on like this.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: We have to clarify this matter. He has made a specific allegation against the Chief Minister. The Chief Minister has clearly condemned this agitation in Vidhan Sabha; he has said that at the cost of our political career, we will maintain reservation for SC&ST. (*Interruptions*)

(II) PERMISSION TO FROM TRADE UNIONS BY CIVILIAN EMPLOYEES WORKING IN DEFENCE ESTABLISHMENTS

SHRI SAMAR MUKHERJEE (Howrah): Sir, Civilian employees working in Defence establishments are not free to form Trade Unions in Andaman and Nicobar Islands now. There are more than a thousand civilian employees in M.E.S. Establishment. They are engaged in the construction of Jetties, Quarters for the employees, water supply installations etc., for civilian utilisation as well as Naval, Coastal Guard and other defence installations. The same types of work are done by other departments like Andaman Harbour Works and Private contractors. When workmen of the Civilian Departments and Private Contractors are free to form Trade Unions, there cannot be